>

Title: Need to construct barrage on River Yamuna to redress problem of drinking water in Delhi.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली): महोदय, राजधानी दिल्ली में बाढ़ के दौरान जितना पानी आता है, यदि उसे एकत्र करने की व्यवस्था हो जाए तो साल भर दिल्ली में पीने के पानी की कमी नहीं आएगी। दिल्ली विकास प्राधिकरण के पूर्व प्लानर ने इस बारे में काफी समय पूर्व एक योजना दी थी जिसके अनुसार यमुना को गहरा करके उसे पक्का किया जाना था। दिल्ली में पल्ला से ओखला तक लगभग 50 कि.मी. लंबी यमुना है। लेकिन पानी सिर्फ 21 कि.मी. में ही बहता है। शेष यमुना सूखी रहती है। इस योजना में यमुना के दोनों तरफ बांध बनाकर उसे निश्चत चौड़ाई तक पक्का करने की योजना थी। इस बांध का उपयोग जलाशय के रूप में होता और दिल्ली को पूरे वर्ष पानी मिलता। इस योजना पर वर्ष 1993 में काम भी प्रारम्भ किया गया था लेकिन उसके पश्चात् इस योजना को बंद कर दिया गया।

एक अन्य योजना वर्ष 1997 में दी गयी थी जिसे सैद्धांतिक रूप में स्वीकार भी कर लिया गया था। इस योजना में वजीराबाद बैराज के उत्तर में 10 कि.मी. पहले ही जलाशय और वहीं पर नया बैराज भी बनाये जाने का प्रावधान था। विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि यदि ओखला में भी नए बैराज बनाए जाएं तो यमुना का पानी सहेजकर रखा जा सकता है।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि राजधानी दिल्ली में पीने के पानी की समस्या के निदान के लिए उपर्युक्त कार्य योजनाओं के क्रियान्वयन पर शीघ्र विचार करके उसको अंतिम रूप दिया जाए।